सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-476
04/10/2017

सहस्त्राब्दि महायज्ञ के समापन में अपनी श्रद्धा निवेदित करने आया हूँ :– मुख्यमंत्री

पटना, 04 अक्टूबर 2017 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज आरा चंदवा में आयोजित श्री रामानुज स्वामी जी महाराज की एक हजारवीं जयंती पर सहस्त्राब्दि समारोह के समापन पर आयोजित महायज्ञ में उमड़े हुये श्रद्धालुओं के जन सैलाव को संबोधित करते हुये कहा कि परम पूज्य त्रिदंडी स्वामी जी महाराज के शिष्य श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी जी के द्वारा इतना बड़ा धार्मिक उत्सव कराया गया है, इसके लिये मैं इनको नमन करता हूँ। उन्होंने कहा कि देश के कोने–कोने से संत महात्मा पधारे हैं, जो हमलोगों के लिये गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि श्री जीयर स्वामी जी महाराज ने एक हजार आठ यज्ञशाला का निर्माण कर इतने बड़े महायज्ञ का आयोजन किया है, जिसमें 25 सितम्बर से श्रद्धालू पधार रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार की आबादी अभी बारह करोड़ नहीं हुयी है किन्तु प्राप्त सूचनानुसार एक करोड़ श्रद्धालू अब तक आ चुके हैं, यहॉ अपनी श्रद्धा निवेदित कर चुके हैं, जो अपने आप में अद्भूत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं यहॉ अपनी श्रद्धा निवेदित करने आया हूँ। उन्होंने कहा कि स्वामी श्री रामानुज स्वामी जी महाराज की सहस्त्राब्दि है। एक हजार साल पूरा होने के बाद यह आयोजन हुआ है। उन्होंने गुरू–शिष्य की परंपरा शुरू की थी और उन्हीं के शिष्य सूरदास और कबीरदास हुये। स्वामी रामानुजाचार्य ने बताया था कि जीव–जीव में कोई फर्क नहीं करना चाहिये और मानव–मानव में कोई फर्क नहीं करना चाहिये। उन्होंने कहा कि लोगों को भ्रम है कि पृथ्वी सिर्फ मनुष्य के लिये है। स्वामी रामानुज जी महाराज ने बताया कि पृथ्वी सभी के लिये है। मुख्यमंत्री ने कहा कि त्रिदंडी स्वामी जी के शिष्य श्री जीयर स्वामी जी ने कुटिया में रहकर जो संदेश दिया है, उसका असर देश के कोने–कोने में पड़ा है और देश भर के साधु संत यहॉ पधारे हैं। उन्होंने कहा कि यह भूमि ज्ञान की भूमि है, आस्था की भूमि है। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध को बिहार की धरती पर ही ज्ञान प्राप्त हुआ था। भगवान महावीर का जन्म बिहार में ही हुआ, उनको ज्ञान भी यहीं हुआ और निर्वाण भी यहीं हुआ। उन्होंने कहा कि 350 साल पहले सिखों के 10वें गुरू गुरू गोविंद सिंह जी महाराज का जन्म इसी धरती पर हुआ। उन्होंने कहा कि इस धरती पर इतना बड़ा आयोजन श्री जीयर स्वामी जी ने किया है, उसके लिये हम नतमत्स्क हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज में प्रेम का भाव रहे, सौहार्द्र एवं मैत्री का भाव रहे तथा एकता बनी रहे। उन्होंने कहा कि समाज में हम सिर्फ भौतिक विकास का काम नहीं कर रहे हैं बल्कि सामाजिक सुधार का भी काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में शराबबंदी लागू हुयी और अब उसके आगे नशामुक्ति का अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी साल 21 जनवरी को शराबबंदी एवं नशामुक्ति के विरूद्ध मानव श्रृंखला बनी और उसमें चार करोड़ लोगों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि शराबबंदी एवं नशामुक्ति के अभियान में बड़े, बुजुर्ग, पुरूष–महिला एवं सभी का व्यापक समर्थन मिला और अब उससे प्रेरणा लेकर बाल विवाह एवं दहेज प्रथा के विरूद्ध सशक्त अभियान की बापू के जन्मदिन 2 अक्टूबर से शुरूआत की गयी है। इस मंच पर बड़ी संख्या में देश के कोने–कोने से आये संत महात्मा पधारे हुये हैं, जिनके द्वारा समाज सुधार के इस अभियान की सराहना की गयी। मुख्यमंत्री ने पधारे हुये संतों से

बिहार को आशीर्वाद देने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस मंच से जो संदेश जायेगा, वह बाल विवाह एवं दहेज प्रथा के विरूद्ध एक महत्वपूर्ण कदम होगा और मजबूती से लागू होगा और अंततः कामयाबी मिलेगी। इसके साथ ही देश के अन्य राज्यों में भी इसका असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि भौतिक विकास यथा– सड़क, पुल/पुलिया, शिक्षा, स्वास्थ्य पर भी उतना ही ध्यान देना है, साथ ही समाज सुधार के काम में काम में भी कामयाब होते हैं तो यह बहुत बड़ी बात होगी। उन्होंने कहा कि आराम के प्रति लालसा बेकार होती है। श्री जीयर स्वामी जी इसके उदाहरण हैं। मुख्यमंत्री ने देश के कोने–कोने से आये संतों का बिहार के लोगों की ओर से तथा बिहार सरकार की तरफ से अभिनंदन किया।

इसके पूर्व मुख्यमंत्री ने यज्ञ स्थल पहुॅचकर श्री जीयर स्वामी जी महाराज से उनकी कुटिया में जाकर मुलाकात की और उसके पश्चात यज्ञ वेदी पर जाकर पूजा अर्चना की।

कार्यक्रम को महायज्ञ के कर्ता–धर्ता व परम पूजनीय श्री त्रिदंडी स्वामी जी महाराज के शिष्य पूजनीय श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी जी, कांची पीठाधिश्वर श्री अनंताचार्य गादी स्वामी जी, बाला तिरूपति मंदिर के प्रधान श्री तिरूपति जीयर स्वामी जी, बौद्ध भिक्षु श्री स्वामी जी महाराज, जैन भिक्षु श्री लोकेश जी महाराज सहित अनेक साधु संतों ने संबोधित किया। कार्यक्रम को पथ निर्माण मंत्री श्री नंदकिशोर यादव, खान एवं भूतत्व मंत्री तथा प्रभारी मंत्री भोजपुर श्री बिनोद कुमार सिंह, उद्योग मंत्री श्री जय कुमार सिंह, सांसद एवं जदयू प्रदेश अध्यक्ष श्री वशिष्ठ नारायण सिंह, सांसद श्री अरूण कुमार ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर देश के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे साधु संतों के अतिरिक्त जन सैलाव के रूप में आये हुये श्रद्धालूगण उपस्थित थे।

******